पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पुलिस परेड की सलामी ली
शांति व्यवस्था बनाये रखना, आम आदमी को सुरक्षा प्रदान करना तथा दुष्टों पर कड़ी कारवाई करना पुलिस का पहला कर्तव्य है ----राज्यपाल

पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य से समाज को आश्वस्त करें ---श्री नाईक

लखनऊः 28 फरवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज पुलिस लाइन, लखनऊ में आयोजित रैतिक परेड की निरीक्षण किया तथा सलामी ली। राज्यपाल ने इस अवसर पर विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक आठ लोगों को तथा 33 लोगों को वीरता के लिये पुलिस पदक प्रदान किया इनमें 6 लोगों को मरणोपरान्त पदक दिया गया है।

राज्यपाल ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शांति-व्यवस्था बनाये रखना, आम आदमी को सुरक्षा प्रदान करना तथा दुष्टों पर कड़ी कारवाई करना पुलिस का पहला कर्तव्य है। पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य से समाज को आश्वस्त करें। जिस कार्य का दृढ़ संकल्प लेकर सेवा में आये हैं, उसके प्रति अपनी निष्ठा बनाये रखें। रैतिक परेड जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर नये सिरे से संकल्प की जरूरत है। उन्होंने कहा कि परेड से प्रेरणा लेकर प्रदेश में शांति के वातावरण का निर्माण करें।

श्री नाईक ने सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस का एक आदर्श वाक्य होना चाहिये, जिससे पुलिस कर्मी प्रेरणा लेकर सुरूचिपूर्ण तरीके से काम करें। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र पुलिस का आदर्श वाक्य 'सदरक्षणाय खलनिग्रहणाय' है इसका मतलब है कि अच्छो की रक्षा करना और अपराधियोें को दण्डित करना। उन्होंने कहा कि इससे पुलिस कर्मी को प्रेरणा मिलेगी और जनता के बीच भी अच्छा संदेश भी जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरस्त रखने के लिये तथा आतंकवाद, डकैती, लूट, हिंसा आदि का सामना करने के लिये आधुनिक हथियार व उपकरण होने की जरूरत है। मामलों के तफ्तीश व साईबर अपराध जैसे मामलों में अत्यधिक नई तकनीक का उपयोग होना चाहिये। इसके लिये पुलिस कर्मियों को विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जाये। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास वाहन और हथियार आधुनिक होने से कार्य में कुशलता आयेगी।

श्री नाईक ने इस अवसर प्रदेश की सेवा में अपना बलिदान देने वाले पुलिस कर्मियों को नमन करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद पुलिसजनों के परिवारजनों को सम्मानित करने के उपरान्त उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेश की सरकार और जनता उनके प्रति संवेदनशील है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव, श्री आलोक रंजन सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पुलिस महानिदेशक, श्री ए0के0 जैन ने किया तथा सफेद घोड़े पर सवार परेड का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, गाजियाबाद, श्री धर्मेन्द्र सिंह ने किया।

राज्यपाल ने विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक श्री सूर्य कुमार, पुलिस महानिदेशक, एसआईटी, श्री मुकुल गोयल, अपर पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था, श्री भावेश कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कार्मिक, श्री गोपाल लाल मीना, अपर पुलिस महानिदेशक, पावर कार्पोरेशन, डा0 देवेन्द्रसिंह चैहान, अपर पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार, श्री कमल सक्सेना, सचिव गृह, श्री योगेन्द्र वर्मा, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक, मुजफ्फरनगर तथा श्री दिग्विजय सिंह, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक, लखनऊ।

इसके अलावा राज्यपाल ने वीरता के लिये श्रीमती रवि पत्नी स्व0 राजेश सिंह चैहान, मुख्य आरक्षी, श्रीमती शीला देवी पत्नी स्व0 बृजेश कुमार यादव, आरक्षी कमाण्डो, श्रीमती गीता देवी पत्नी स्व0 उमाशंकर यादव, आरक्षी कमाण्डो, श्रीमती अनीता पत्नी स्व0 गिरीश चन्द्र नागर, आरक्षी कमाण्डो, श्रीमती हेमलता शर्मा पत्नी स्व0 लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, आरक्षी कमाण्डे एवं श्रीमती जगपती देवी पत्नी स्व0 लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, आरक्षी कमाण्डों को मराणोपरान्त तथा श्री अविनाश चन्द्र, अपर पुलिस महानिदेशक, भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, श्री दीपक रतन, पुलिस महानिरीक्षक, यातायात निदेशालय तथा 25 अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को को पुलिस पदक से सम्मानित किया।